न्यूज़लेटर

1-15 जुलाई, 2025

बिहार के वोट के अधिकार को बचाने की लड़ाई

राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव और महागठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर, बिहार में चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का विरोध किया। उन्होंने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र की तरह बिहार का चुनाव भी चोरी करना चाहती है। राहुल गांधी ने SIR अभियान को बिहार के भविष्य पर सीधा हमला बताया और कहा कि बिहार के युवा इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे।

फोकस इवेंट

ओडिशा बड़े कॉरपोरेट्स द्वारा चलाया जा रहा है

पूरा भाषण यहां देखें।

भुवनेश्वर, ओडिशा में राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी के साथ 'संविधान बचाओ समावेश' को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि कैसे रथयात्रा के समय भगवान जगन्नाथ के रथों को, अडानी और उनके परिवार के लिए रोक दिया गया। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि यह एक घटना ओडिशा सरकार की सोच उजागर करती है - एक ऐसी सरकार जो ओडिशा की ज़मीन, जंगल और भविष्य को लूटना चाहती है।

ओडिशा के किसानों और आदिवासियों के मुद्दों की सुनवाई

बातचीत यहां पर देखें।

भुवनेश्वर की अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने किसानों और आदिवासियों से मुलाकात की, जिन्होंने बताया कि भाजपा सरकार कैसे उनके अधिकारों को छीन रही है। किसानों ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना उनके पैसे लेकर उसे बड़ी निजी बीमा कंपनियों को दे रही है। आदिवासियों ने ओडिशा में उनके खिलाफ बढ़ते अत्याचारों और उनकी जमीन छीनने की कोशिशों को भी उजागर किया।

मेरे विचार

767 आत्महत्याएं और न्याय की टूटती उम्मीदें

महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्याओं की दुखद वृद्धि के बारे में बात करते हुए मेरा दिल टूट जाता है, जहां सिर्फ़ तीन महीनों में 767 किसानों ने अपनी जान ले ली। यह सिर्फ़ एक आंकड़ा नहीं है - यह 767 उजड़े परिवारों की बात है। जहां किसान कर्ज़ से जूझ रहे हैं और न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की कानूनी गारंटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं भाजपा सरकार अरबपतियों के करोड़ों रुपये माफ़ कर रही है। भाजपा की चुप्पी किसानों की जान ले रही है जबकि मोदी जी अपने प्रचार में व्यस्त हैं।

पूरा ट्वीट यहां पढ़ें।

बहुजन छात्रों को उनका हिस्सा देने में कोताही

पूरी पोस्ट यहां पढ़ें।

हाल ही में, मुझे 66 प्रतिभाशाली बहुजन छात्रों के बारे में पता चला, जिन्हें विदेशी स्कॉलरशिप से केवल "फंड की कमी" के कारण वंचित कर दिया गया। जबकि, सरकार के पास प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं और भव्य आयोजनों के लिए हमेशा फंड होता है। यह साफ तौर पर भाजपा के बहुजन शिक्षा के खुले विरोध को दिखाता है - स्कॉलरशिप में कटौती, स्कूल बंद करना और कहीं उम्मीदवारों को अस्वीकार करने के लिए "NOT FOUND SUITABLE" का इस्तेमाल करना। मैं मोदी सरकार से आग्रह करता हूँ कि वह इस अन्यायपूर्ण निर्णय को वापस ले और यह सुनिश्चित करे कि इन छात्रों को विदेश में पढ़ाई करने का उचित अवसर मिले।

न्यूज़लेटर को सब्सक्राइब करने के लिए यहां क्लिक करें